**राज्यसभा सांसद डॉ. लक्ष्मीकांत पजपेयी ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री को दिया प्रस्ताव, दिल्ली एम्स जाने से मरीजों को मिलेगी राहत**

**तैयारी: मेरठ मेडिकल कॉलेज बनेगा पीजीआई**

मेरठ मेडिकल कॉलेज में स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (पीजीआई) बनेगा। वहीं संकरे रास्ते के बीच स्थित जिला अस्पताल को अब शिफ्ट किया जाएगा। इसके के लिए केंद्र और प्रदेश सरकार के स्तर पर प्रस्ताव विचाराधीन है। राज्यसभा सांसद और भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने इसकी घोषणा वेस्टर्न यूपी चैंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्री की वार्षिक आमसभा (एजीएम) में की । चैंबर सदस्यों ने ताली बजाकर इस घोषणा का स्वागत किया।

डॉ लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने कहा कि मेरठ मेडिकल कॉलेज में करीब 52 एकड़ जमीन खाली पड़ी है। उन्होंने मेडिकल कालेज की स्थिति और जमीन की उपलब्धता के साथ केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री को पीजीआई का प्रस्ताव दिया है। बताया है कि मेरठ में पीजीआई की सुविधा से दिल्ली में एम्स पर मरीजों का लोड घट जाएगा। मेरठ समेत पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 14 जिलों का लोड दिल्ली पर है। इस संबंध में केंद्र और प्रदेश सरकार के स्तर पर मामला चल रहा है। उन्होंने कहा कि जब गोरखपुर, रायबरेली में एम्स की स्थापना हो सकती है तो मेरठ में पीजीआई क्यों नहीं। लड़ाई लड़ी जा रही। सफलता मिलेगी।

डॉ. लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने कहा कि घंटाघर क्षेत्र स्थित जिला अस्पताल पहुंचना आसान नहीं है। उन्होंने सुझाव दिया कि अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त मेरठ का नया जिला अस्पताल दिल्ली रोड या किसी अन्य इलाके में बनाया जाए। डीएन पॉलिटेक्निक के पास जमीन उपलब्ध है। सीएसआर फंड से 100 करोड़ की व्यवस्था में वह जुटे हैं। उसके बाद जिला अस्पताल दिल्ली रोड में शिफ्ट किया जा सकता है। इससे पूर्व वेस्टर्न यूपी चैंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्री चेयरमैन रामकुमार गुप्ता ,अश्विनी गुप्ता , एसपी देशवाल ने स्वागत किया। संचालन सचिव सरिता अग्रवाल ने किया। इस मौके पर उद्यमी जेके गुप्ता , सरदार राजिन्दर सिंह, अश्विनी गुप्ता , रजनीश कौशल, आशुतोष अग्रवाल, एमएस जैन, डा .ब्रजभूषण गुप्ता मौजूद रहे।

**क्या होता है पीजीआई**

पीजीआई का फुलफॉर्म पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट होता है। इसे स्नातकोत्तर संस्थान के नाम से भी जाना जाता है। चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य में पीजीआई मतलब स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान होता है। यह भारत सरकार का एक चिकित्सा एवं अनुसंधान संस्थान है। इसमें शैक्षिक सुविधाएँ, चिकित्सा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण सुविधाएँ उपलब्ध होती है। सुविधाएं करीब- करीब एम्स की तरह होता है।

**प्रोजेक्ट गया है, ब्लूप्रिंट भी बना है**

मेरठ मेडिकल कॉलेज में पीजीआई की स्थापना को लेकर शासन से प्रस्ताव मांगे गए थे। ब्लूप्रिंट भी बना है। मेडिकल कॉलेज में कुल करीब 151 एकड़ जमीन है। खाली जमींन भी है। यदि पीजीआई को प्रोजेक्ट मंजूर हुआ तो जमीन उपलब्ध है।

**उधमियों ने उठाया डीज़ल जेनरेटर पर रोक का मुद्दा**

वेस्टर्न यूपी चैंम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने भी वायु सुधार को लेकर मेरठ समेत एनसीआर में डीज़ल जेनरेटर पर प्रतिबंध को लेकर राज्यसभा सांसद और भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. लक्ष्मीकांत वाजपेयी के सामने मामला उठाया। चैंम्बर के अध्यक्ष राम कुमार गुप्ता ने उद्यमियों की ओर से कहा कि डीज़ल जेनरेटर पर प्रतिबंध से एमएसएमई यूनिट बहुत बड़े संकट में आ जाएगा। उन्होंने कहा कि जेनरेटर डीजल से नहीं चलेगा तो उद्योग कैसे चलेंगे। जवाब में राज्यसभा सांसद ने कहा कि पहले भी समय मिला था, मैं केंद्रीय प्रदूषण मंत्री माo श्री भूपेंद्र यादव से इस विषय में चर्चा करूंगा, निश्चित रूप से इसका हल निकलेगा। ऐसा आश्वासन दिया और कहा उम्मीद रखें।

चैंबर अध्यक्ष जी ने कहा कि बिजली की उपलब्धता अनिश्चित रहती है। ऐसे में डीज़ल जेनरेटर चलाना उधमियों की मज़बूरी है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के इस तरह के आयोग से मेरठ समेत एनसीआर में उधोग बंद हो जाएंगे। उधर, पीएनजी का मूल्य काफी अधिक है। अधिक खर्च कर कम माल तैयार होने से उधोगों के लिए संकट उत्पन्न हो जाएगा। राज्यसभा सांसद ने कहा कि उधोग बंद नहीं होने देंगे। हरसंभव प्रयास होगा कि समय मिले।

**यह भी हुई घोषणाएं**

* इनर रिंग रोड पर तेजी से चल रहा है काम
* उद्यमी बताएं उद्योगों का प्लान, मिलेगी औद्योगिक जमीन
* 72 सीटर विमान तो उड़ेगा, कार्गो एयरपोर्ट की भी मिलेगी सुविधा
* न्यू टाउनशिप के लिए 400 करोड़ हो चुका है जारी , जल्द होगा काम
* हाईकोर्ट बेंच की अस्थायी व्यवस्था ई-फाइलिंग सेंटर हो सकती है , वर्चअुल कोर्ट से होगी सुनवाई
* राज्यरानी अब लेट नहीं होगी , अतिरिक्त रैक की हुई व्यवस्था
* 100 करोड़ से हवाई अड्डे जैसा हो जाएगा मेरठ सिटी स्टेशन
* सोलर इनर्जी से होगी मेरठ सिटी रेलवे स्टेशन की बिजली व्यवस्था ।